तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 56/2018)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 23 मई, 2018

(www.trai.gov.in)

31 मार्च, 2018 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1183.41**	**22.81**	**1206.22**
मार्च, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	26.54	-0.15	26.39
मासिक वृद्धि दर	2.29%	-0.67%	2.24%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**662.18**	**19.43**	**681.61**
मार्च, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	12.15	-0.16	11.98
मासिक वृद्धि दर	1.87%	-0.84%	1.79%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**521.23**	**3.38**	**524.61**
मार्च, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	14.39	0.01	14.40
मासिक वृद्धि दर	2.84%	0.32%	2.82%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**91.09**	**1.76**	**92.84**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	161.17	4.73	165.90
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	58.67	0.38	59.05
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	55.96%	85.19%	56.51%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	44.04%	14.81%	43.49%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**394.65**	**17.95**	**412.60**

- मार्च, 2018 के माह में 19.67 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से, फरवरी, 2018 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 351.16 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 370.83 मिलियन हो गया।

- मार्च, 2018 के अंत तक सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 998.00 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- फरवरी, 2018 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,179.83 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 1,206.22 हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 2.24 प्रतिशत दर्ज की गयी। फरवरी, 2018 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 669.63 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 681.61 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 510.20 मिलियन से बढ़कर 524.61 मिलियन हो गई। मार्च, 2018 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 1.79 प्रतिशत तथा 2.82 प्रतिशत रही।

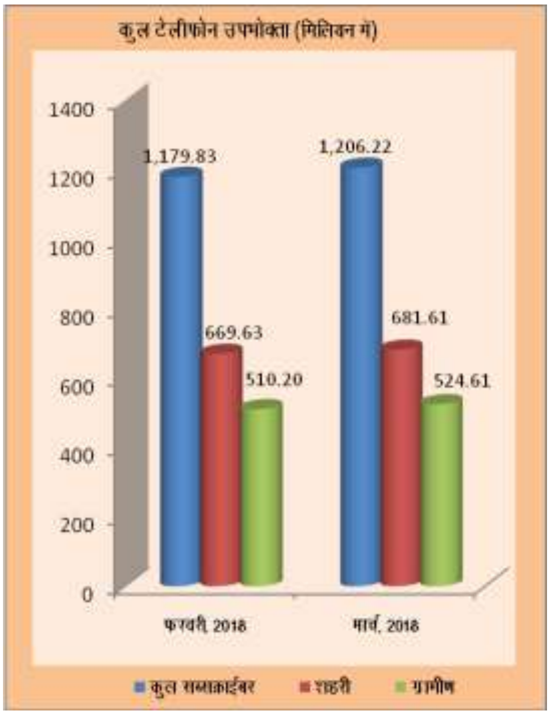

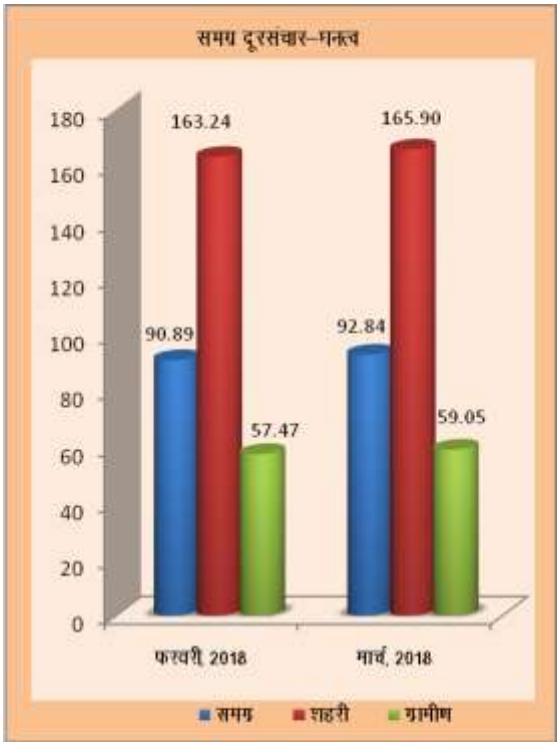

- फरवरी, 2018 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 90.89 से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 92.84 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व फरवरी, 2018 के अंत तक 163.24 से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 165.90 हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी फरवरी, 2018 के अंत तक 57.47 से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 59.05 हो गया। मार्च, 2018 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.51 प्रतिशत तथा 43.49 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

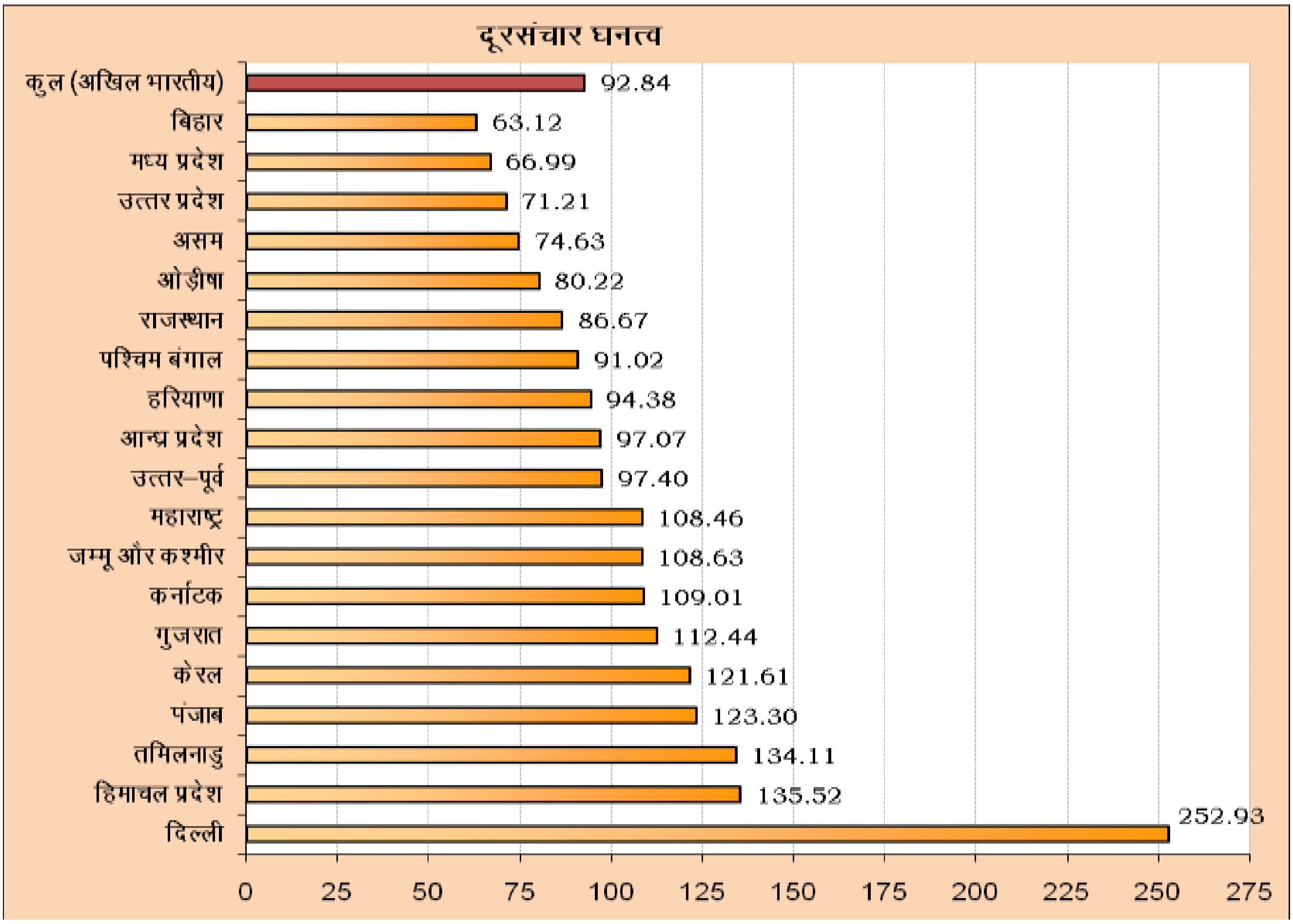

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेंजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

मार्च, 2018 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मार्च, 2018 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-67,199	10,216,542	9,010,908	413,209,744
श्रेणी – ख	-44,985	7,811,754	5,778,013	467,095,132
श्रेणी – ग	2,796	6,676,543	1,047,934	184,639,596
महानगर	-44,918	1,835,920	6,973,861	118,464,139
अखिल भारतीय	**-154,306**	**26,540,759**	**22,810,716**	**1,183,408,611**

मार्च, 2018 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी, 2018 से मार्च, 2018 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (मार्च, 2017 से मार्च, 2018 तक)	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-0.74	2.54	-6.78	1.01
श्रेणी – ख	-0.77	1.70	-10.33	0.15
श्रेणी – ग	0.27	3.75	-10.22	5.22
महानगर	-0.64	1.57	-2.11	-0.66
अखिल भारतीय	**-0.67**	**2.29**	**-6.52**	**1.13**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि मार्च, 2018 के दौरान वायरलैस क्षेत्र में, सभी श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर्ज की गई है। श्रेणी 'क' के सेवा क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक निबल मासिक वृद्धि दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, मार्च, 2018 के दौरान दौरान श्रेणी 'ग' के सेवा क्षेत्रों में वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर्ज की गई है। अन्य सभी श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता

- फरवरी, 2018 के अंत तक कुल वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,156.87 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 1,183.41 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 2.29 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या फरवरी, 2018 के अंत तक 650.03 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 662.18 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या 506.84 मिलियन से बढ़कर 521.23 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 1.87 प्रतिशत तथा 2.84 प्रतिशत रही।

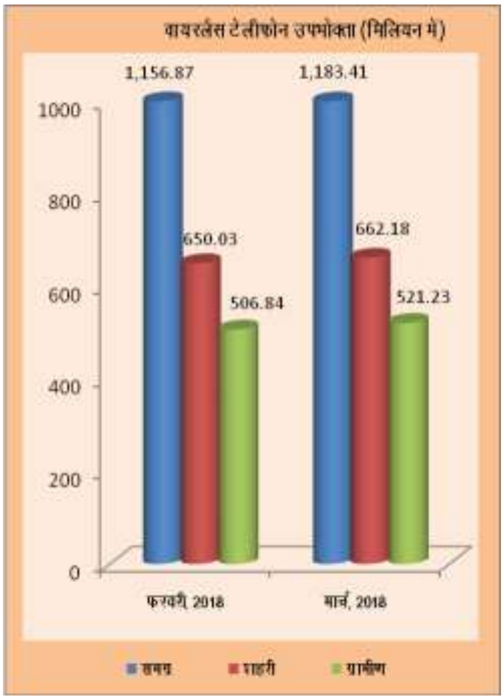

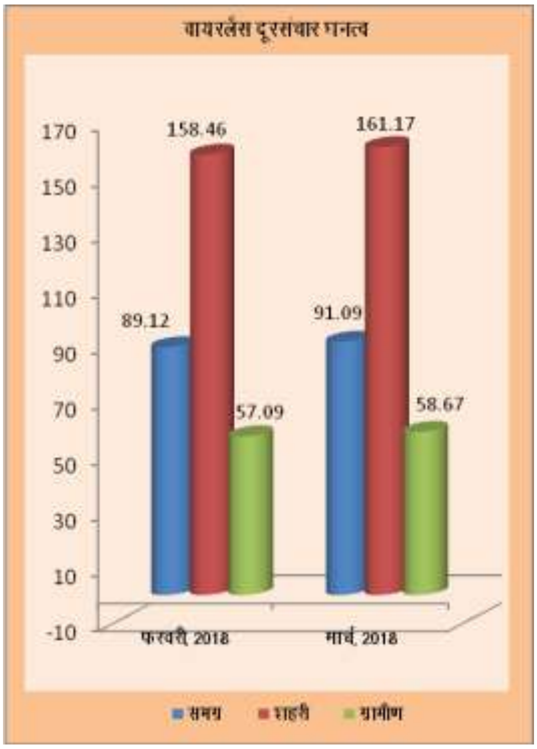

- फरवरी, 2018 के अंत तक वायरलैस दूरसंचार घनत्व 89.12 से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 91.09 हो गया। शहरी क्षेत्रों में फरवरी, 2018 के अंत में वायरलैस दूरसंचार घनत्व 158.46 से बढ़कर 161.17 हो गया, तथा इसी दौरान ग्रामीण वायरलैस दूरसंचार घनत्व 57.09 से बढ़कर 58.67 हो गया। मार्च, 2018 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.96 प्रतिशत तथा 44.04 प्रतिशत थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार, निजी टेलिफोन सेवा प्रदाताओं के पास वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का 90.55 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 9.45 प्रतिशत बाजार की हिस्सेदारी थी।

- वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः–

दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

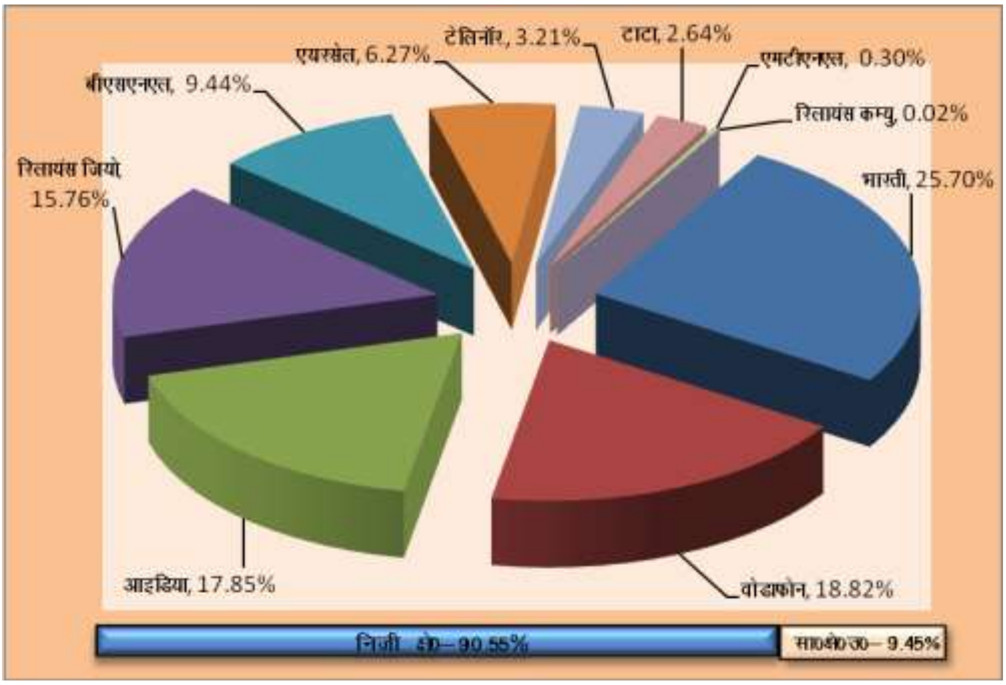

मार्च, 2018 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

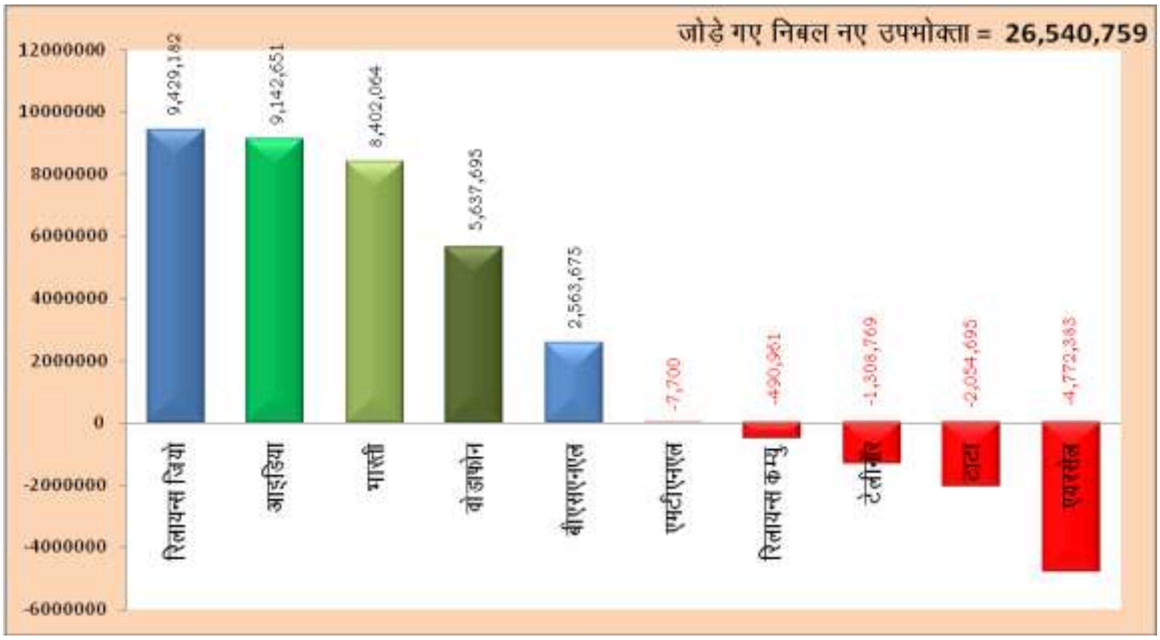

नोट – 1. ऐसा संज्ञान में आया कि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के द्वारा निष्क्रिय उपभोक्ताओं की संख्याओं को घटाकर शेष उपभोक्ताओं की संख्याओं को रिपोर्ट किया जाता था। प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 18.08.2017 को एक निर्देश जारी किया गया है कि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या का निर्धारण दूरसंचार विभाग के द्वारा दिये गये नियमों के अनुसार करना है तथा तदनुसार रिपोर्ट करनी है। हालांकि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने अभी तक इसका अनुपालन नहीं किया है।

2. कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण मेसर्स एयरसेल लिमिटेड ने मार्च, 2018 माह के लिए वायरलेस उपभोक्ताओं की अनुमानित संख्या को रिपोर्ट किया है।

IV. सक्रिय वायरलैस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- मार्च, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,183.41 मिलियन) में से 998.00 मिलियन वायरलैस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 84.33 प्रतिशत था।

- मार्च, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

मार्च, 2018 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

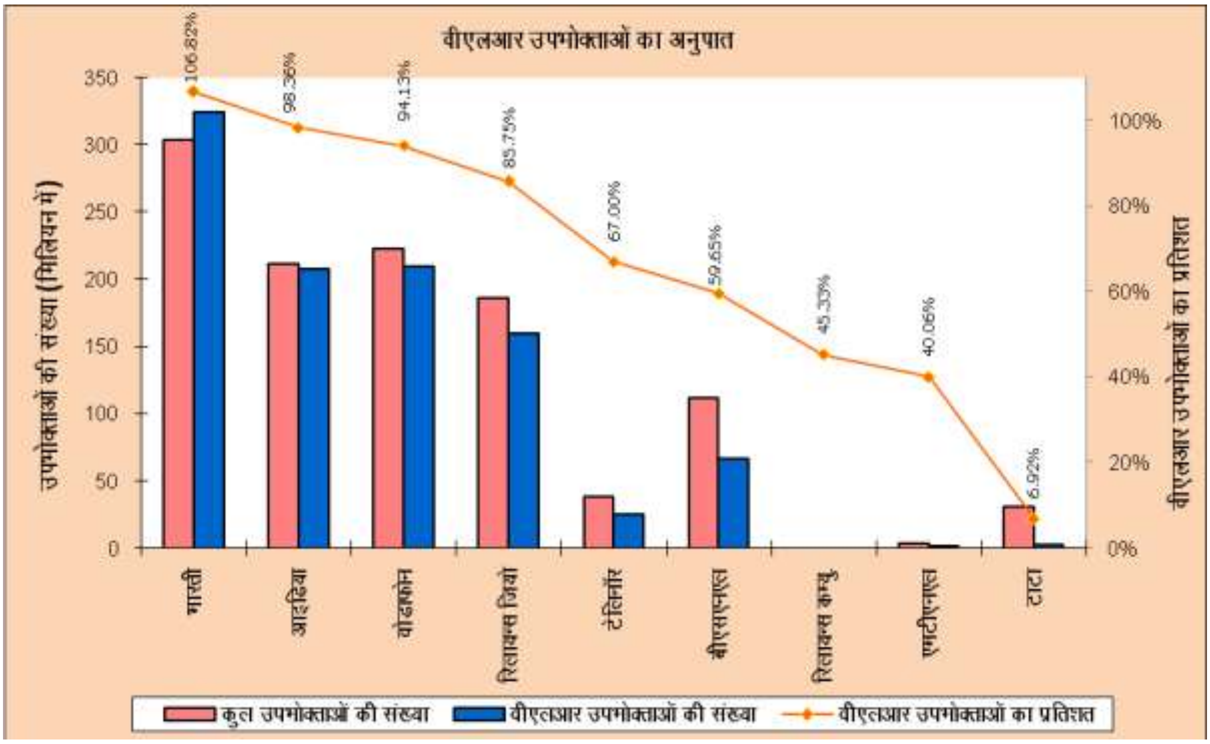

नोट : 1. भारती एयरटेल एवं आइडिया सेल्युलर के नेटवर्क पर इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण उनके वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में अधिक रही।

2. कुछ तकनिकी कारणों से मेसर्स एयरसेल लिमिटेड ने मार्च, 2018 माह के अधिकतम वीएलआर की तिथी पर अपने सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट नहीं किया है।

मार्च, 2018 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

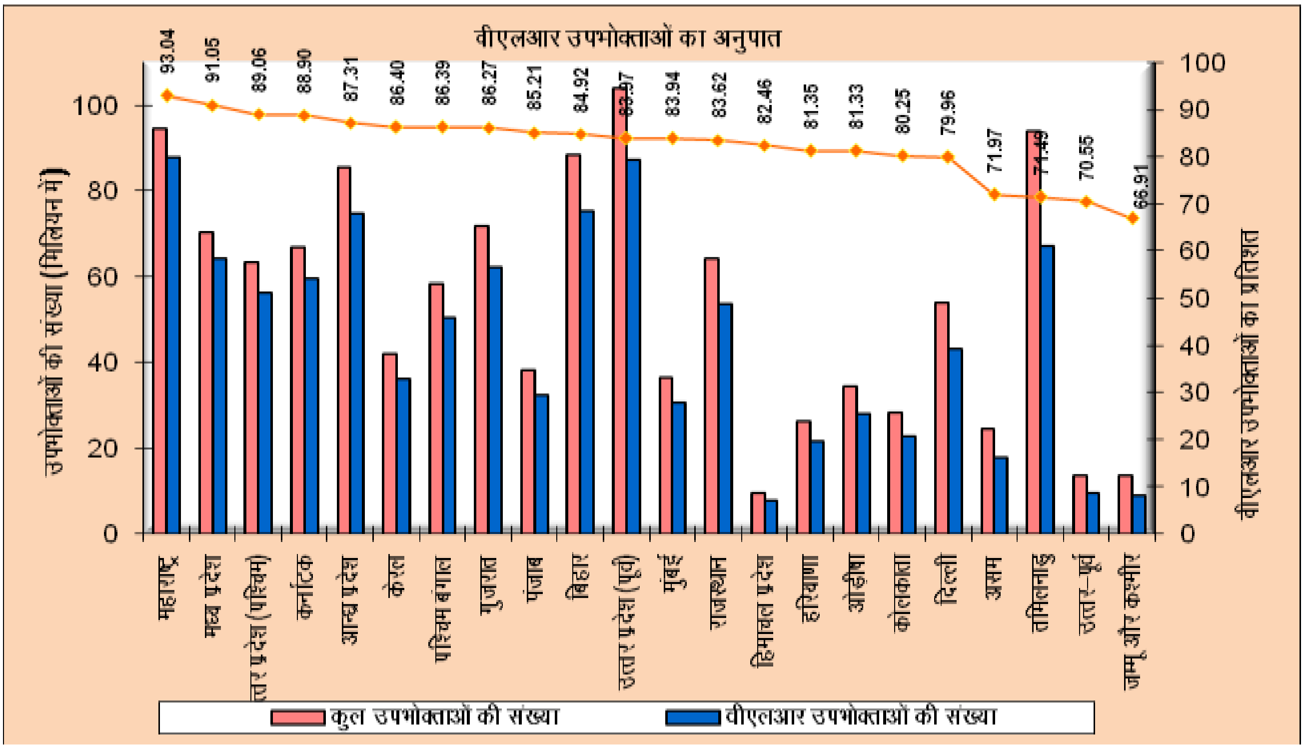

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

मार्च, 2018 माह के दौरान एक्सेस सेवा–प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

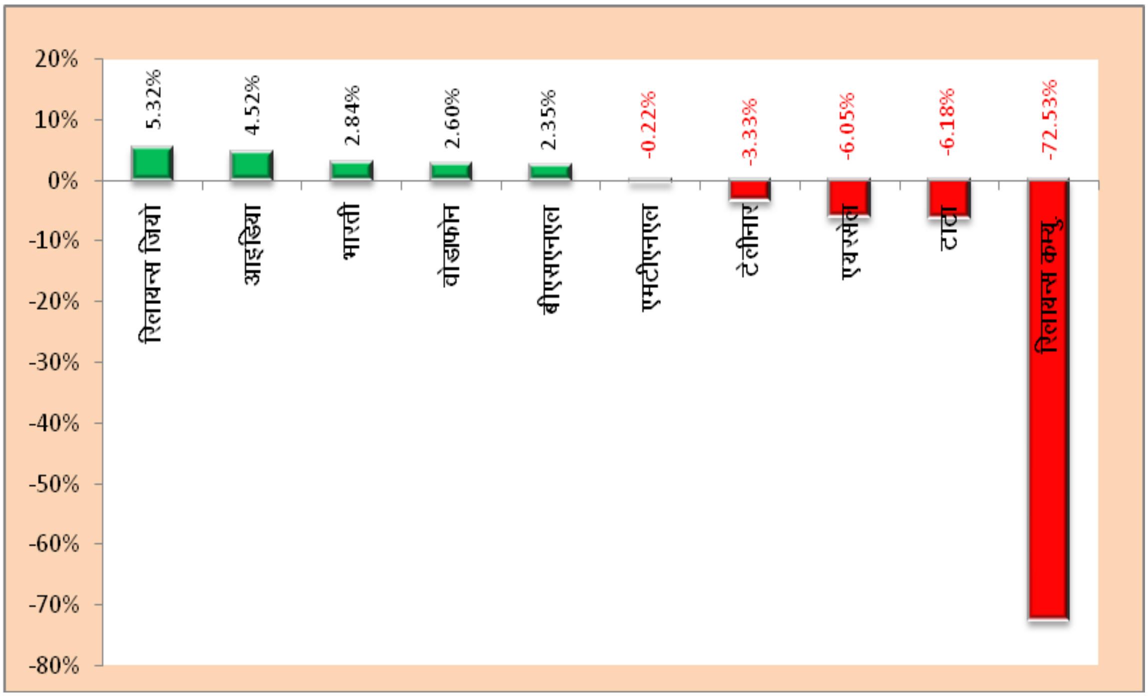

मार्च, 2018 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

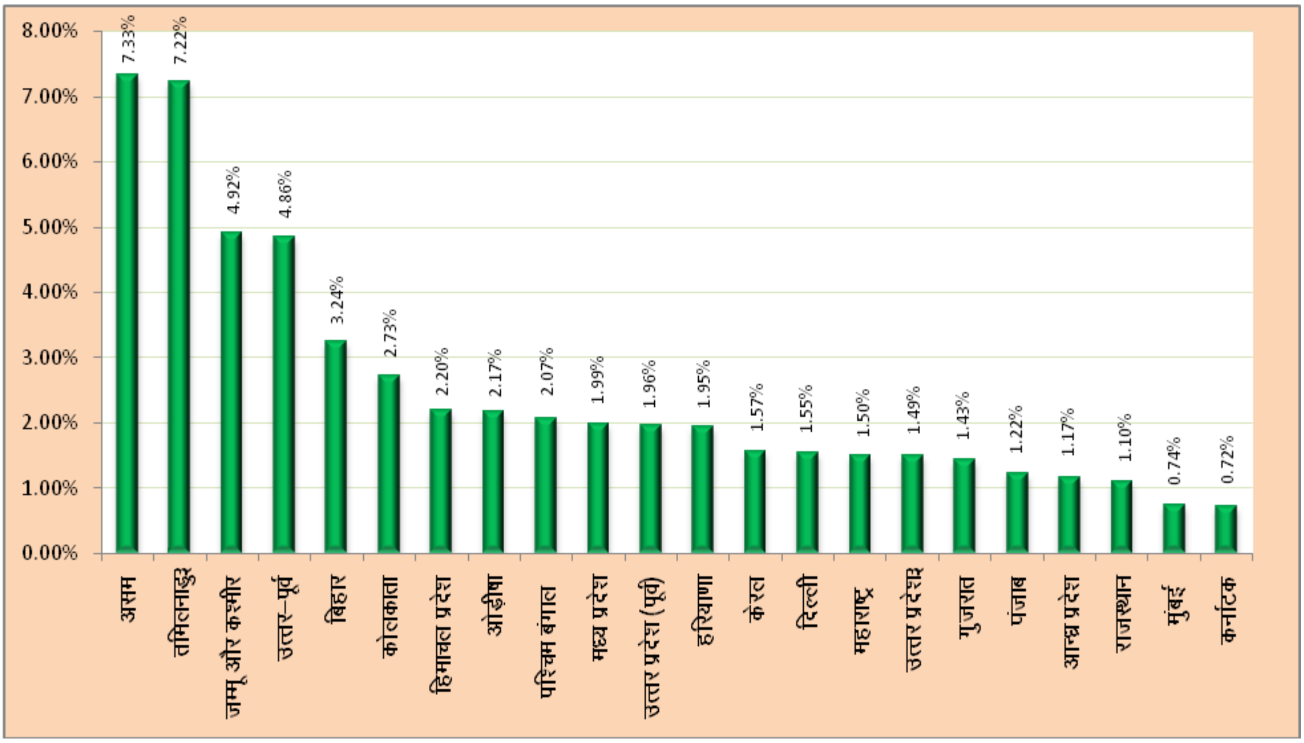

- मार्च, 2018 के माह के दौरान सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान असम (7.33 प्रतिशत) एवं तमिलनाडू (7.22 प्रतिशत) सेवा क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक मासिक वृद्धि दर्ज की गई है।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- मार्च, 2018 के माह में कुल 19.67 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथी से, संचयी एमएनपी अनुरोध फरवरी, 2018 के अंत तक 351.16 मिलियन की तुलना में बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 370.83 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 30.87 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 25.50 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 36.16 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 31.24 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

मार्च, 2018 के अंत तक सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध			
जोन–I		जोन–II	
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या
दिल्ली	18,372,428	आन्ध्र प्रदेश	31,240,032
गुजरात	24,513,496	असम	2,600,946
हरियाणा	13,644,337	बिहार	13,882,646
हिमाचल प्रदेश	1,798,714	कर्नाटक	36,160,940
जम्मू और कश्मीर	688,816	केरल	9,065,245
महाराष्ट्र	25,502,069	कोलकाता	9,175,055
मुंबई	19,701,422	मध्य प्रदेश	24,849,063
पंजाब	13,777,897	उत्तर–पूर्व	991,342
राजस्थान	30,871,344	ओड़ीशा	7,316,341
उत्तर प्रदेश–पूर्व	19,738,024	तमिलनाडु	31,104,279
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	16,072,254	पश्चिम बंगाल	19,762,291
कुल	**184,680,801**	कुल	**186,148,180**
कुल (जोन–I + जोन–II)			**370,828,981**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (मार्च, 2018 माह में)			**19,668,810**

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या फरवरी, 2018 के अंत तक 22.97 मिलियन से और घटकर मार्च, 2018 के अंत तक 22.81 मिलियन हो गया। इस माह में 0.67 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.15 मिलियन की निवल कमी हुई। मार्च, 2018 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 85.19 प्रतिशत तथा 14.81 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व फरवरी, 2018 के अंत में 1.77 से घटकर मार्च, 2018 के अंत तक 1.76 रह गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.73 तथा 0.38 रहा।

- मार्च, 2018 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 68.45 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- मार्च, 2018 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

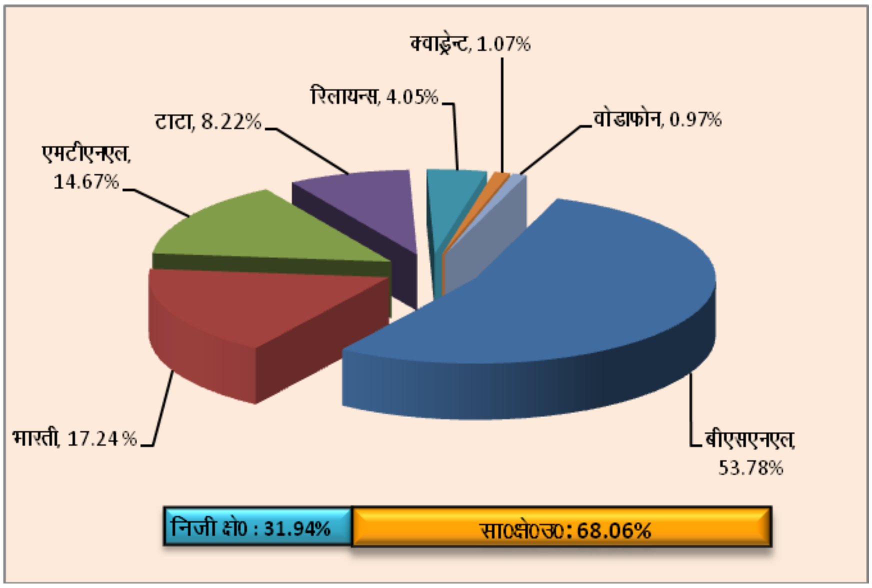

मार्च, 2018 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

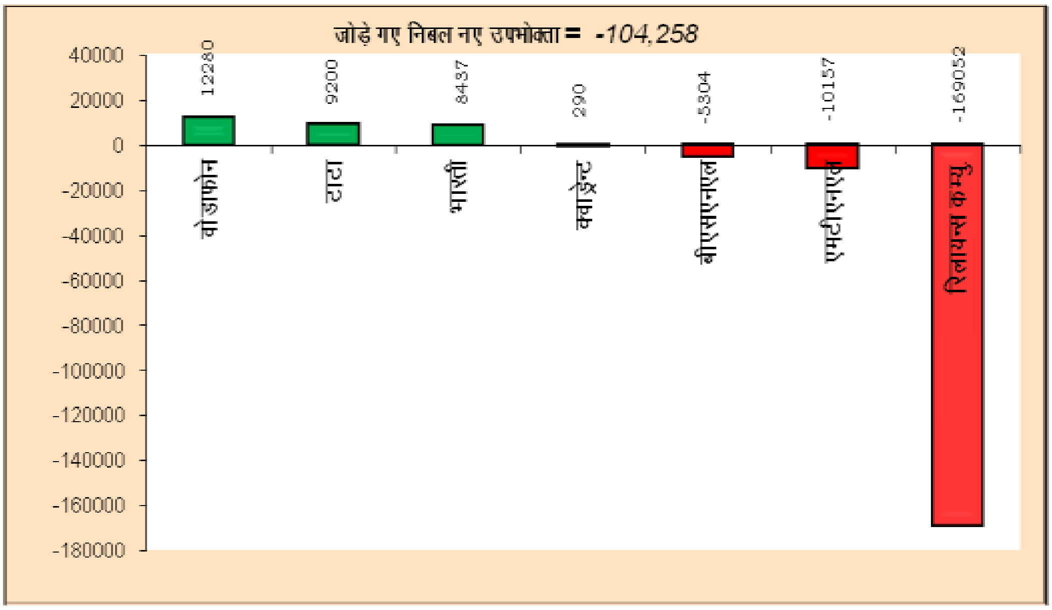

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- पिछले माह में 153 सेवा प्रदाताओं की तुलना में मार्च, 2018 में 262 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, फरवरी, 2018 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 392.06 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत में 412.60 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 5.24 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

मार्च, 2018 माह में ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		मार्च, 2018 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 28 फरवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन उपभोक्ताओं की संख्या	17.72	17.95	1.34%
मोबाइल उपकरण उपयोगकर्ता (फोन तथा डॉन्गल)	373.94	394.19	5.42%
फिक्सड वायरलैस उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू–प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.40	0.46	13.04%
कुल	**392.06**	**412.60**	**5.24%**

- मार्च, 2018 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 95.23 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (186.56 मिलियन), भारती एयरटेल (85.67 मिलियन), वोडाफोन (59.77 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (39.84 मिलियन) तथा बीएसएनएल (21.08 मिलियन) थे।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया है:

दिनांक 31.03.2018 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

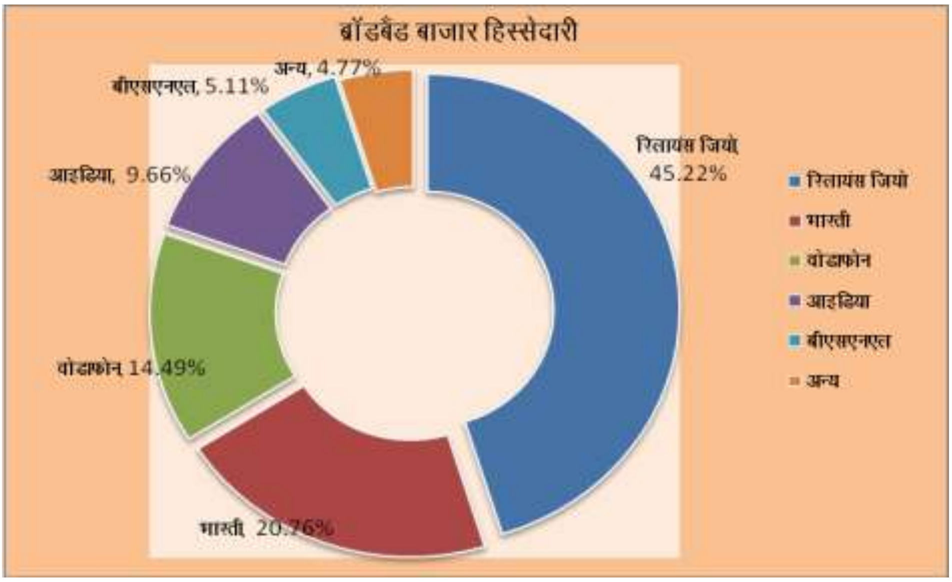

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.30 मिलियन), भारती एयरटेल (2.18 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.31 मिलियन), एमटीएनएल (0.87 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.78 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलैस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (186.56 मिलियन), भारती एयरटेल (83.49 मिलियन), वोडाफोन (59.76 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (39.83 मिलियन) तथा बीएसएनएल (11.78 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110 002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेल: skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृत:

(कौशल किशोर)
सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह											
	भारती		रिलायन्स		वोडाफोन		टाटा		आइडिया		एयरसेल	
	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018
आन्ध्र प्रदेश	27251565	27318827	19827	8609	6494795	6397411	2859999	2696111	16959683	17745682	2280719	2152478
असम	7105674	7803873	191	38	3888691	4220244			1232547	1396473	5811412	5723781
बिहार	31709390	32317362	2546	1293	9971851	10302695	717505	673857	12973886	14188931	7301632	7240203
दिल्ली	13430668	13916959	190170	48804	12073447	12281591	1273486	1058125	7054416	7378006	6463337	6112896
गुजरात	9694772	9700460	4778	2690	20777643	20787332	1682979	1592529	13827984	14569508	0	0
हरियाणा	3959144	4002935	1795	313	6415596	6455744	1388730	1321541	5192491	5363143	0	0
हिमाचल प्रदेश	3494635	3522199	2250	323	591311	589785	18776	17858	933628	981637	0	0
जम्मू और कश्मीर	4380565	4814170	678	4	864896	894705			614123	702137	3447971	3378318
कर्नाटक	24560021	24823003	24871	13220	7731099	7759965	4854192	4561643	9419029	9539659	2709742	2690193
केरल	4893666	4916310	4425	2705	7917355	7930931	759349	666659	11826218	12229356	234634	233179
कोलकाता	5731923	6193156	12036	3725	6183545	6625667	1716310	1600298	2579685	2846495	4117033	3479087
मध्य प्रदेश	15278517	15326157	238352	59809	6596051	6541449	3092328	2944834	27011779	27982096	0	0
महाराष्ट्र	14618006	14616112	8776	6084	20535989	20605324	3490226	3307883	29414944	30650020	0	0
मुंबई	7834821	7940801	99793	15944	9775597	9861178	2007357	1876229	4571220	4697339	2324424	2182118
उत्तर–पूर्व	4598186	4904098			1619941	1751795			496730	549196	3341127	3292069
ओड़ीशा	12197449	12382689	817	151	4455900	4537996	1075049	990027	1852991	1988323	3937802	3911300
पंजाब	9821577	9870037	3319	692	4960073	4915088	1324804	1266199	7536584	7673236	801576	754818
राजस्थान	21941342	22538857	17834	3604	11886569	12203525	381492	370943	7957854	8271627	6118012	5288258
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	21035649	24078948	22251	13772	17407912	20191218	2418833	2250785	5620972	6090040	19448120	17828645
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	25655097	26099036	11754	2425	23240071	23762086	2172047	2064058	12058084	12611655	6171020	5836979
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	9390765	9466403	8099	1052	12415851	12495605	1897864	1828398	16999958	17516176	0	0
पश्चिम बंगाल	17206310	17639414	2367	711	21255879	21586423	112594	101248	5932146	6238868	4416121	4047977
कुल	**295789742**	**304191806**	**676929**	**185968**	**217060062**	**222697757**	**33243920**	**31189225**	**202066952**	**211209603**	**78924682**	**74152299**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		8402064		-490961		5637695		-2054695		9142651		-4772383
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*152300293*	*156946820*	*72864*	*21407*	*117208473*	*120305391*	*5378104*	*4814680*	*109293224*	*114743105*	*29457658*	*28038111*

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1 (निरंतर)

	सेवा प्रदाता समूह										
सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		एमटीएनएल		टेलीनॉर		रिलायंस जियो		कुल		निबल वृद्धि/कमी
	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	
आन्ध्र प्रदेश	10116142	10126809			3944730	3745847	14711909	15438785	**84639369**	**85630559**	991190
असम	1722298	1964401					3192794	3528197	**22953607**	**24637007**	1683400
बिहार	4248552	4430024			7357619	7071067	11527727	12365309	**85810708**	**88590741**	2780033
दिल्ली			2287665	2279634			10316656	10835450	**53089845**	**53911465**	821620
गुजरात	5700170	5810246			6572212	6259935	12647923	13199987	**70908461**	**71922687**	1014226
हरियाणा	4352454	4476401					4575236	4770299	**25885446**	**26390376**	504930
हिमाचल प्रदेश	2520709	2571438					1876235	1961525	**9437544**	**9644765**	207221
जम्मू और कश्मीर	1566655	1593836					2138379	2269867	**13013267**	**13653037**	639770
कर्नाटक	7266839	7218971					9936567	10372149	**66502360**	**66978803**	476443
केरल	10374603	10521915					5344457	5502172	**41354707**	**42003227**	648520
कोलकाता	1382818	1462056					5706181	5967064	**27429531**	**28177548**	748017
मध्य प्रदेश	5912472	6019594					10981815	11614091	**69111314**	**70488030**	1376716
महाराष्ट्र	7069321	7110321			5156825	4823593	12911454	13483734	**93205541**	**94603071**	1397530
मुंबई			1277095	1277426			8218536	8524091	**36108843**	**36375126**	266283
उत्तर–पूर्व	1522923	1592286					1552237	1679684	**13131144**	**13769128**	637984
ओड़ीशा	5305906	5419714					4790869	5114718	**33616783**	**34344918**	728135
पंजाब	5242265	5346523					7941457	8265631	**37631655**	**38092224**	460569
राजस्थान	5616033	5538975					9750616	10155612	**63669752**	**64371401**	701649
तमिलनाडु(चेन्नई सहित)	10016832	11111802					11766902	12509414	**87737471**	**94074624**	6337153
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	11614218	11850973			9403657	9312386	11515140	12302576	**101841088**	**103842174**	2001086
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	5842535	5777895			6858308	6771754	9053407	9543111	**62466787**	**63400394**	933607
पश्चिम बंगाल	1722063	1735303					6675149	7157362	**57322629**	**58507306**	1184677
कुल	**109115808**	**111679483**	**3564760**	**3557060**	**39293351**	**37984582**	**177131646**	**186560828**	**1156867852**	**1183408611**	**26540759**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		2563675		-7700		-1308769		9429182	0	26540759	
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*35319309*	*35820758*	*47812*	*47644*	*11151469*	*10757080*	*46606443*	*49734609*	506835649	521229605	*14393956*

अनुलग्नक–**II**

मार्च, 2018 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	एयरसेल*	भारती	बीएसएनएल	आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	टाटा	टेलीनॉर	वोडाफोन	कुल
आन्ध्र प्रदेश		107.16	71.68	99.26		60.88	80.55	3.18	62.91	89.60	**87.31**
असम		97.42	70.91	96.17		47.37	94.84			95.90	**71.97**
बिहार		99.37	61.85	94.41		25.37	97.69	8.31	75.83	92.02	**84.92**
दिल्ली		102.90		96.89	31.35	53.24	83.03	42.59		93.22	**79.96**
गुजरात		112.18	48.72	97.48		64.09	82.86	4.27	52.81	95.35	**86.27**
हरियाणा		120.08	43.12	101.06		68.37	65.55	1.87		95.41	**81.35**
हिमाचल प्रदेश		100.18	52.08	109.09		38.08	73.48	2.29		97.07	**82.46**
जम्मू और कश्मीर		100.10	58.84	99.17		100.00	81.70			92.48	**66.91**
कर्नाटक		115.64	62.24	98.98		66.10	83.92	1.79		104.50	**88.90**
केरल		106.27	67.05	97.34		38.37	81.53	3.95		95.73	**86.40**
कोलकाता		110.86	65.74	95.17		28.70	88.15	16.62		98.84	**80.25**
मध्य प्रदेश		114.20	60.35	99.81		26.16	84.78	1.81		79.53	**91.05**
महाराष्ट्र		118.76	58.17	98.25		37.44	94.41	18.39	64.45	96.86	**93.04**
मुंबई		116.39		89.38	55.60	61.50	87.46	16.09		87.36	**83.94**
उत्तर–पूर्व		99.62	72.14	98.11		-	90.75			92.33	**70.55**
ओड़ीशा		102.58	72.28	100.66		74.83	94.62	2.31		98.03	**81.33**
पंजाब		109.91	48.34	97.83		36.13	83.99	0.18		93.07	**85.21**
राजस्थान		100.20	52.99	98.54		51.28	81.89	1.32		96.99	**83.62**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)		101.84	68.89	98.41		59.45	84.01	1.30		91.79	**71.49**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)		108.05	46.12	102.26		45.48	93.91	2.62	69.24	95.04	**83.97**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)		118.25	48.10	98.13		35.65	81.13	1.11	71.91	101.40	**89.06**
पश्चिम बंगाल		100.57	82.03	100.73		30.38	81.66	1.94		89.16	**86.39**
कुल		**106.82**	**59.65**	**98.36**	**40.06**	**45.33**	**85.75**	**6.92**	**67.00**	**94.13**	**84.33**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

* मेसर्स एयरसेल लिमिटेड ने मार्च, 2018 माह के लिए अपने सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट नहीं किया है।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–III

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह														कुल संख्या		कुल योग /ह्रास
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती		रिलायन्स		टाटा		क्वाडेंट		वोडाफोन				
	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	फरवरी, 2018	मार्च, 2018	
आन्ध्र प्रदेश	1052864	1054324			167392	168154	72693	53373	172716	174396			26650	29490	1492315	1479737	-12578
असम	135368	134580											2670	2670	138038	137250	-788
बिहार	257218	258955					6227	5792	11442	11426			2100	2100	276987	278273	1286
दिल्ली			1544304	1538377	1314917	1320229	159614	156272	144949	144715			32630	32240	3196414	3191833	-4581
गुजरात	1043825	1050516			80352	80744	69887	29886	92600	94004			10037	13427	1296701	1268577	-28124
हरियाणा	239079	239944			22137	22169	3618	3239	38252	38082				60	303086	303494	408
हिमाचल प्रदेश	119801	120440					3864	3650	2343	2374			60	60	126068	126524	456
जम्मू और कश्मीर	115204	115678													115204	115678	474
कर्नाटक	1106334	1104785			644318	647602	147473	157210	271532	272695			34455	35925	2204112	2218217	14105
केरल	1867853	1868937			58299	58335	25241	22061	18672	18761			2520	2550	1972585	1970644	-1941
कोलकाता	563998	561941			122699	123535	67205	46902	51912	52091			6630	7050	812444	791519	-20925
मध्य प्रदेश	667834	665705			258006	254043	19294	13688	15467	15673			660	660	961261	949769	-11492
महाराष्ट्र	1264121	1258265			82063	82822	74219	62322	308892	309046			16267	16417	1745562	1728872	-16690
मुंबई			1812421	1808191	360852	360902	243930	221476	559256	562828			33462	37112	3009921	2990509	-19412
उत्तर–पूर्व	112345	111924											210	210	112555	112134	-421
ओड़ीषा	263180	265031					3180	3112	8276	8282			1650	1650	276286	278075	1789
पंजाब	472000	467488			121130	121841	18677	12874	15935	15524	243530	243820	1560	1560	872832	863107	-9725
राजस्थान	505874	504786			50046	50155	18898	26265	13279	13391			6240	6450	594337	601047	6710
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1535658	1539528			555920	555991	115901	86417	116458	117849			15480	15720	2339417	2315505	-23912
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	366035	363772			63738	63815	33778	11735	12801	12806			11280	11400	487632	463528	-24104
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	309463	308642			22227	22196	6936	5244	8864	8905			4080	4170	351570	349157	-2413
पश्चिम बंगाल	274641	272150					1831	1896	3163	3161			60	60	279695	277267	-2428
कुल	**12272695**	**12267391**	**3356725**	**3346568**	**3924096**	**3932533**	**1092466**	**923414**	**1866809**	**1876009**	**243530**	**243820**	**208701**	**220981**	**22965022**	**22810716**	**-154306**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-5304		-10157		8437		-169052		9200		290		12280		-154306	

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।